अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास कार्यक्रम के तहत झुन्झुनू जिले के चयनित गांवों की सर्वे रिपोर्ट :–
द्वारा झुन्झुनू जिला पर्यावरण सुधार समिति

गांव गांगियासर की प्रोफाइल

1. गांव का नाम	:	गांगियासर
2. गांव में परिवारों की संख्या	:	1250
3. मुस्लिम परिवारों की संख्या	:	650
4. गांव के सरपंच का नाम	:	श्री शार्दुल सिंह फोन नं. 01595–262273
5. ग्राम सेवक का नाम	:	श्री विजेन्द्र फोनं नं. 9413111490
6. सहायक का नाम	:	श्री रोहिताश फोन नं. 9509683808
7. कुल आंगनबाड़ी केन्द्र	:	4
1.		
आंगनबाड़ी कार्यकर्ता	:	श्रीमती कान्ता पारीक
सहायिका	:	श्रीमती नर्बदा देवी
आशा सहयोगिनी	:	श्रीमती लाड कंवर
2.		
आंगनबाड़ी कार्यकर्ता	:	श्रीमती संतोष जोशी
सहायिका	:	श्रीमती बिमला देवी
आशा सहयोगिनी	:	श्रीमती मंजू राणा
3.		
आंगनबाड़ी कार्यकर्ता	:	श्रीमती सुमित्रा
सहायिका	:	श्रीमती मंजू
आशा सहयोगिनी	:	श्रीमती सुनिता सैन
4.		
आंगनबाड़ी कार्यकर्ता	:	श्रीमती संतोष मेघवाल
सहायिका	:	श्रीमती रोशनी
आशा सहयोगिनी	:	श्रीमती सुनिता दर्जी
8. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	:	1
डॉक्टर का नाम	:	डॉ. भंवरलाल
ए.एन.एम.	:	रंजना
ए.एन.एम.	:	मंजू
जी.एन.एम.	:	अनिता
जी.एन.एम.	:	प्रमोद
9. बैंक का नाम	:	राजस्थान ग्रामीण बैंक
10. पोस्ट ऑफिस	:	1
11. सरकारी स्कूल	:	7
1. सीनियर स्कूल	:	1
2. मिडिल स्कूल	:	1
3. प्राथमिक स्कूल	:	5
12. प्राईवेट स्कूल	:	5
1. सीनियर स्कूल	:	2
2. मिडिल स्कूल	:	2
3. इंग्लिश मिडियम	:	1
13. गांव के प्रमुख व्यक्ति	:	पूर्व सरपंच सांवत खां फोन नं. 9414835184
		देबूसिंह फोन नं. 9462246977

गांव गांगियासर के अल्पसंख्यक समुदाय की प्रोफाइल

1. सरकारी स्कूलो में संचालित मिड–डे मील, पोषाहार की क्या स्थिति है इसमें अल्पसंख्यक समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव तो नहीं होता है ?
   ....अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकांश बच्चे मदरसों में जाते है इसलिए इनको इन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता है, अन्य सरकारी विद्यालयों में मिड–डे मील स्थिति अच्छी है व इसमें अल्पसंख्यक समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता.............
2. सरकारी विद्यालयों में अध्यापको की उपस्थिति
   .....सरकारी विद्यालयों में अध्यापकों की उपस्थिति कम रहती है........
3. आंगनबाड़ी केन्द्रो में पोषाहार व टीकाकरण की स्थिति

   ....टीकाकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहता है किन्तु जागरूकता व अशिक्षा के कारण टीकाकरण 35 प्रतिशत महिलाऐं ही अपनाती है व पोषाहार निश्चित महिलाओं व बच्चों के लिए ही आता है इसलिए सभी को नहीं मिल पाता........
4. अल्पसंख्यक महिलाओं में पिछड़ेपन के क्या–क्या कारण है ?

   .....आर्थिक स्थिति कमजोर होना, शिक्षा का अभाव, बेरोजगारी, अंधविश्वास, परिवार नियोजन नहीं अपनाना...
5. अल्पसंख्यक महिलाओं में स्वास्थ्य स्थिति :–
   प्रसव की स्थिति : 40 प्रतिशत महिलाऐं ही अस्पतालों में डिलीवरी करवाती है
   परिवार नियोजन : 30 प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग ही परिवार नियोजन के साधन अपनाता है
6. सस्ती दर की राशन की दूकानों पर राशन की उपलब्धता

   ....राशन की दूकानों पर बी.पी.एल. परिवारों के लिए ही राशन उपलब्ध है जो भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नही है सामान्य परिवारो के लिए ऐसी सुविधा न के बराबर है.............
7. स्वास्थ्य से सम्बन्धित इनको कौन–कौन सी समस्याऐं है ?

   ....पाईल्स की शिकायत, पानी में फ्लोराईड की अधिकता की वजह से अन्य बिमारियां, मौसमी बिमारियां....
8. स्वास्थ्य से सम्बन्धित इनको कौन–कौन सी सुविधाऐं उपलब्ध है ?

   .....गांव मे एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उपलब्ध है व इसमें एक डॉक्टर व चार लोगो का नर्सिंग स्टॉफ कार्यरत है परन्तु महिला चिकित्सक नहीं होने की वजह से महिलाऐं को प्रसव हेतू कहीं ओर जाना पड़ता है गांव में सुविधा न होने व आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से ही 60 प्रतिशत अल्पसंख्यक महिलाऐं घर पर ही प्रसव करवाती है......
9. आंगनबाड़ी से इनका जुड़ाव किस प्रकार का है ?

   ....आंगनबाड़ी केन्द्रो पर कुछ अल्पसंख्यक महिलाऐं टीकाकरण हेतु ही जाती है इसके अलावा इनका इससे कोई जुड़ाव नहीं है......
10. बिजली की सुविधा कैसी है ?
    ....लगभग सभी अल्पसंख्यक परिवारों में बिजली की सुविधा उपलब्ध है परन्तु बिजली पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलती है......
11. शुद्ध पीने योग्य पानी की क्या स्थिति है ?
    ....शुद्ध पीने योग्य पानी की यहां कमी है क्योंकि यहां पानी में फ्लोराइड की मात्रा काफी अधिक है तथा रेगिस्तान होने की वजह से भू–जल की यहां कमी है....
12. शौचालय व स्वच्छता की सुविधाऐं

    .....सार्वजनिक तौर पर शौचालय व स्वच्छता का अभाव है व निजी रूप से 40 प्रतिशत घरों में शौचालय इत्यादि की सुविधा है....
13. सरकारी सुविधाओं का इनको लाभ मिल पाता है या नहीं
    ....शिक्षा के अभाव के कारण इनको सरकारी सुविधाओं का लाभ लगभग 40 प्रतिशत ही मिल पाता है......

14. सरकार की अल्पसंख्यक योजनाओं के बारे में इनको जानकारी है या नहीं व इनका लाभ इनको मिल रहा है या नहीं ?

....सरकार की अल्पसंख्यक योजनाओं का इनको केवल 10 प्रतिशत ही लाभ मिल रहा है , इनके बच्चो को मिलने वाली छात्रवृति के बारे में ही इनको जानकारी है अन्य अल्पसंख्यक योजनाओं के बारे में इनको कोई जानकारी नहीं है

15. सरकार द्वारा संचालित अन्य आर्थिक लाभकारी योजनाओ जैसे छात्रवृति आदि का इनको लाभ मिल रहा है या नहीं ?

....अल्संख्यक समुदाय के बच्चों को मिलने वाली छात्रवृति का लाभ ही इनको मिल रहा है वो भी उन्हीं को जिनके बच्चे सरकारी विद्यालयों व महाविद्यालयों में जाते है......

16. अन्य समस्याओं का विवरण ....

....अल्पसंख्यक समुदाय के मौहल्लो में नाली आदि की व्यवस्था नहीं होने की वजह से वहां साफ–सफाई क अभाव है....

17. रोजगार की क्या स्थिति है ? व इसमें उनकी क्या–क्या समस्याऐं है ?

....रोजगार की स्थिति बहुत कमजोर है, अधिकांश परिवार कृषि व मजदूरी पर ही निर्भर है अधिकतर युवा विदेशो में खुली मजदूरी के लिए जाते है, महिलाऐं पर्दा प्रथा के कारण मजदूरी पर नहीं जाती है अन्य रोजगार के साधन उपलब्ध नहीं है.....

18. व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता

..व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता न के बराबर है ....

19. महिलाओ पर अपराध व उनकी सुरक्षा

...अधिकतर महिलाऐं अशिक्षित होने के कारण कानून के बारे में नहीं जानती है और ग्रामीण महिलाओ की सुरक्षा के लिए भी कोई विशेष प्रावधान नहीं है...

20. बैंकिंग सुविधा

..गांव में बैंक तो है परन्तु आम आदमी जरूरत के अनुसार बैंक उनकी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाता है, क्योंकि ऋण आदि सुविधाओं हेतु बैंक गारन्टी मांगता है जिसमें सब समर्थ नहीं है...

(राजेश अग्रवाल)

अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास कार्यक्रम के तहत झुन्झुनू जिले के चयनित गांवों की सर्वे रिपोर्ट :–
द्वारा झुन्झुनू जिला पर्यावरण सुधार समिति

गांव मलसीसर की प्रोफाइल

1. गांव का नाम : मलसीसर
2. गांव में परिवारों की संख्या :
3. मुस्लिम परिवारों की संख्या :
4. गांव के सरपंच का नाम : श्रीमती चन्दा देवी फोन नं. 9414541853
5. ग्राम सेवक का नाम : श्री जयसिंह फोनं नं. 9829960784
6. सहायक का नाम : श्रीमती संतोष देवी फोन नं. 9602179206
7. कम्प्युटर ऑपरेटर : श्रीमती सुमन देवी फोन नं. 9462263183
8. कुल आंगनबाड़ी केन्द्र : 8
    1.
    आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती इन्दू देवी
    सहायिका : श्रीमती सुलोचना देवी
    आशा सहयोगिनी : श्रीमती ऊषा देवी
    2.
    आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती विनोद देवी
    सहायिका : श्रीमती माया देवी
    आशा सहयोगिनी : श्रीमती सरोज देवी
    3.
    आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती अनिता देवी
    सहायिका : श्रीमती हारूण बानो
    आशा सहयोगिनी : श्रीमती मुकेश देवी
    4.
    आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती सुशिला देवी
    सहायिका : श्रीमती इन्दू देवी
    साथिन : श्रीमती ममता देवी फोन नं. 9672807588
    5.
    आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती शारदा देवी
    सहायिका : श्रीमती सीता देवी
    आशा सहयोगिनी : श्रीमती सुमित्रा देवी
    6.
    आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती सुदेश देवी
    सहायिका : श्रीमती बसन्ती देवी
    आशा सहयोगिनी : श्रीमती सरस्वती देवी
    7.
    आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती ऊषा देवी
    सहायिका : श्रीमती गीता देवी
    आशा सहयोगिनी : ....
    8.
    आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती चंदा देवी
    सहायिका : श्रीमती मुन्नी देवी
    आशा सहयोगिनी : श्रीमती उर्मिला देवी

9. स्वास्थ्य केन्द्र : 1
    डॉक्टर का नाम : डॉ. जितेन्द्र फोन नं. 9928324700
    डॉक्टर का नाम : डॉ. राकेश वर्मा (कनिष्ठ विशेषज्ञ)

डॉक्टर का नाम	:	डॉ. मोहम्मद आरिफ (कनिष्ठ विशेषज्ञ)
डॉक्टर का नाम	:	डॉ. गौरीशंकर (M.O. Ayush)
एम.एन.– 1	:	श्री नाथूमल सांवरिया
एम.एन.– 2	:	श्री राधेश्याम बसेरा
जी.एन.एम.	:	श्रीमती मंजू देवी
जी.एन.एम.	:	श्रीमती राकेश
एल.एच.वी.	:	श्रीमती मरियम्मा
ए.एन.एम.	:	श्रीमती सुभिता देवी 9460080070
एल.टी.	:	श्री विजय गौतम
जी.एन.एम. (NRHM)	:	श्रीमती बबीता
जी.एन.एम. (NRHM)	:	सुश्री निशू कुमारी
ए.सी.सी.	:	श्री योगेश कुमार
फार्मासिस्ट	:	श्री फूलचन्द यादव
डी.ई.ओ.	:	श्री मदनलाल
डब्ल्यू.ए.	:	श्री बनवारीलाल
डब्ल्यू.ए.	:	श्री सीताराम
डब्ल्यू.ए.	:	श्री मुबारक अली
स्वीपर	:	श्री जगदीश प्रसाद
स्वीपर	:	श्री सुलोचना देवी
स्वीपर	:	श्री द्रोपदी देवी
स्वीपर	:	श्री कैलाशचन्द मीणा
वार्ड ब्वॉय	:	श्री महेन्द्र कुमार
ए.एन.एम.	:	रंजना
ए.एन.एम.	:	मंजू
जी.एन.एम.	:	अनिता
जी.एन.एम.	:	प्रमोद

10. कुल बैंक	:	3
11. बैंको के नाम	:	राजस्थान ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केन्द्रिय सहकारी बैंक
12. पोस्ट ऑफिस	:	1
13. सरकारी स्कूल	:	10
1. मिडिल स्कूल	:	2
2. प्राथमिक स्कूल	:	8
14. प्राईवेट स्कूल	:	17
1. महाविद्यालय	:	2
2. सीनियर स्कूल	:	8
3. सैकेण्डरी स्कूल	:	7
15. पशु औषधालय	:	1
डॉ. का नाम	:	डॉ. अशोक फोन नं. 9414540933
16. उपतहसील	:	1
17. नायब तहसीलदार	:	श्री पालचन्द फोन नं. 9414776760
18. बिजली विभाग	:	टी.एच. शशीकान्त फोन नं. 9462114208
19. वॉटर वर्क्स	:	जे.ई.एन. महेन्द्र कुमार फोन नं. 9461255891
20. टेलिफोन एक्सचेंज	:	1
21. पुलिस थाना	:	1
22. गांव के प्रमुख व्यक्ति	:	उप सरपंच अहमद सैयद फोन नं. 9414541193

गांव मलसीसर के अल्पसंख्यक समुदाय की प्रोफाइल

1. सरकारी स्कूलो में संचालित मिड–डे मील, पोषाहार की क्या स्थिति है इसमें अल्पसंख्यक समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव तो नहीं होता है ?
   ....इस गांव के अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चे मदरसो व प्राईवेट स्कूलो में ज्यादा जाते है इसलिए इस सुविधा का पूरा लाभ इनको नहीं मिल पाता है, सरकारी विद्यालयों में मिड–डे मील स्थिति अच्छी है व इसमें अल्पसंख्यक समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता.............
2. सरकारी विद्यालयों में अध्यापको की उपस्थिति
   .....सरकारी विद्यालयों में अध्यापकों की उपस्थिति कम रहती है........
3. आंगनबाड़ी केन्द्रो में पोषाहार व टीकाकरण की क्या स्थिति है

   ....टीकाकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहता है किन्तु जागरूकता व अशिक्षा के कारण टीकाकरण 50 प्रतिशत महिलाऐं ही अपनाती है व पोषाहार निश्चित महिलाओं व बच्चों के लिए ही आता है इसलिए सभी को नहीं मिल पाता........

4. अल्पसंख्यक महिलाओं में पिछड़ेपन के क्या–क्या कारण है ?

   .....आर्थिक स्थिति कमजोर होना, शिक्षा का अभाव, बेरोजगारी, अंधविश्वास, परिवार नियोजन नहीं अपनाना...

5. अल्पसंख्यक महिलाओं में स्वास्थ्य स्थिति :–
   प्रसव की स्थिति : 70–80 प्रतिशत महिलाऐं अस्पतालों में डिलीवरी करवाती है
   परिवार नियोजन : 50 प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग ही परिवार नियोजन के साधन अपनाता है
   अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाऐं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नहीं है, गांव में सरकारी अस्पताल होने के बाद भी टीकाकरण , परिवार नियोजन आदि के प्रति वे पूर्ण जागरूक नहीं है।
6. सस्ती दर की राशन की दूकानों पर राशन की उपलब्धता

   ....राशन की दूकानों पर बी.पी.एल. परिवारों के लिए ही राशन उपलब्ध है जो भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नही है सामान्य परिवारो के लिए ऐसी सुविधा न के बराबर है.............
7. स्वास्थ्य से सम्बन्धित इनको कौन–कौन सी समस्याऐं है ?

   ....पाईल्स की शिकायत, पानी में फ्लोराईड की अधिकता की वजह से अन्य बिमारियां....

8. स्वास्थ्य से सम्बन्धित इनको कौन–कौन सी सुविधाऐं उपलब्ध है ?

   .....गांव मे एक सरकारी अस्पताल उपलब्ध है व इसमें डॉक्टर व नर्सिंग का पूरा स्टॉफ कार्यरत है.....
9. आंगनबाड़ी से इनका जुड़ाव किस प्रकार का है ?

   ....गांव में काफी सरकारी व गैर सरकारी स्कूले है इसलिए आंगनबाड़ी केन्द्रो पर अल्पसंख्यक महिलाऐं केवल टीकाकरण हेतु ही जाती है इसके अलावा इनका इससे कोई जुड़ाव नहीं है......

10. बिजली की सुविधा कैसी है ?
    ....लगभग सभी अल्पसंख्यक परिवारों में बिजली की सुविधा उपलब्ध है परन्तु बिजली पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलती है......
11. शुद्ध पीने योग्य पानी की क्या स्थिति है ?
    ....शुद्ध पीने योग्य पानी की यहां कमी है क्योंकि यहां पानी में फ्लोराइड की मात्रा काफी अधिक है तथा रेगिस्तान होने की वजह से भू–जल की यहां कमी है....
12. शौचालय व स्वच्छता की सुविधाऐं

    .....सार्वजनिक तौर पर शौचालय व स्वच्छता का अभाव है व निजी रूप से लगभग 60 प्रतिशत घरों में शौचालय इत्यादि की सुविधा है....

13. सरकारी सुविधाओं का इनको लाभ मिल पाता है या नहीं
    ....लगभग 40–50 प्रतिशत अल्पसंख्यक परिवार ही सभी सरकारी सुविधाओ का लाभ ले रहे है......

14. सरकार की अल्पसंख्यक योजनाओं के बारे में इनको जानकारी है या नहीं व इनका लाभ इनको मिल रहा है या नहीं ?

....सरकार की अल्पसंख्यक योजनाओं का इनको केवल 10 प्रतिशत ही लाभ मिल रहा है , इनके बच्चो को मिलने वाली छात्रवृति के बारे में ही इनको जानकारी है अन्य अल्पसंख्यक योजनाओं के बारे में इनको कोई जानकारी नहीं है

15. सरकार द्वारा संचालित अन्य आर्थिक लाभकारी योजनाओ जैसे छात्रवृति आदि का इनको लाभ मिल रहा है या नहीं ?

....ये अल्पसंख्यक बच्चों को मिलने वाली छात्रवृति का लाभ ही ले रहे है अन्य आर्थिक लाभकारी योजनाओ के बारे कुछ तो इनको जानकारी भी नहीं है व इनमें ये रूचि भी कम ही लेते है......

16. अन्य समस्याओं का विवरण ....

....अल्पसंख्यक समुदाय के मौहल्लो में साफ–सफाई की उचित व्यवस्था नहीं है...

17. रोजगार की क्या स्थिति है ? व इसमें उनकी क्या–क्या समस्याऐं है ?

....रोजगार की स्थिति बहुत कमजोर है, अधिकांश परिवार कृषि व मजदूरी पर ही निर्भर है अधिकतर युवा विदेशो में खुली मजदूरी के लिए जाते है, महिलाऐं पर्दा प्रथा के कारण मजदूरी पर नहीं जाती है अन्य रोजगार के साधन उपलब्ध नहीं है.....

18. व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता

..व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता न के बराबर है ....

19. महिलाओ पर अपराध व उनकी सुरक्षा

...अधिकतर महिलाऐं अशिक्षित होने के कारण कानून के बारे में नहीं जानती है और ग्रामीण महिलाओ की सुरक्षा के लिए भी कोई विशेष प्रावधान नहीं है...

20. बैंकिंग सुविधा

..गांव में बैंक तो है परन्तु आम आदमी जरूरत के अनुसार बैंक उनकी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाता है, क्योंकि ऋण आदि सुविधाओं हेतु बैंक गारन्टी मांगता है जिसमें सब समर्थ नहीं है...

(राजेश अग्रवाल)

अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास कार्यक्रम के तहत झुन्झुनू जिले के चयनित गांवों की सर्वे रिपोर्ट :–
द्वारा झुन्झुनू जिला पर्यावरण सुधार समिति

गांव सिरीयासर की प्रोफाइल

1. गांव का नाम : सिरियासर
2. गांव में परिवारों की संख्या : 650
3. मुस्लिम परिवारों की संख्या : 170
4. गांव के सरपंच का नाम : श्री इलियास खान फोन नं. 9772447135
5. ग्राम सेवक का नाम : श्री राजेश कुमार जानू फोनं नं. 9414292248
6. सहायक का नाम : श्री रविन्द्र कुमार फोन नं. 9928181873
7. कुल आंगनबाड़ी केन्द्र : 3
8. साथिन का नाम : संतरा
   1.
      आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती अनिता देवी
      सहायिका : श्रीमती मिन्टू देवी
      आशा सहयोगिनी : श्रीमती जयकोरी
   2.
      आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती मंजू देवी
      सहायिका : श्रीमती सरोज देवी
      आशा सहयोगिनी : ....
   3.
      आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : श्रीमती भगवती देवी
      सहायिका : श्रीमती सुमित्रा देवी
      आशा सहयोगिनी : श्रीमती किरण देवी

9. उप स्वास्थ्य केन्द्र : 1
   ए.एन.एम. : राजबाला
   जी.एन.एम. : सरिता
10. आयुर्वेदिक औषधालय
   वैद्य : डॉ. महेश कुमार मारोलिया
   चपरासी : बनवारीलाल

11. बैंक का नाम : सहकारी समिति (मिनी बैंक)
12. पोस्ट ऑफिस : 1

13. सरकारी स्कूल : 2
   1. सीनियर स्कूल : 1
   2. प्राथमिक स्कूल : 1
14. प्राईवेट स्कूल : 1
   1. मिडिल स्कूल : 1

15. गांव के प्रमुख व्यक्ति :

गांव सिरीयासर के अल्पसंख्यक समुदाय की प्रोफाइल

1. सरकारी स्कूलो में संचालित मिड–डे मील, पोषाहार की क्या स्थिति है इसमें अल्पसंख्यक समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव तो नहीं होता है ?
   ....गांव के अल्पसंख्यक बच्चे मदरसों मे ज्यादा जाते है, इसलिए वे पोषाहार, मिड–डे मील जैसी सुविधाओं का लाभ कम उठा पाते है सरकारी विद्यालयों में मिड–डे मील, पोषाहार की स्थिति अच्छी है व इसमें अल्पसंख्यक समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता.............

2. सरकारी विद्यालयों में अध्यापको की उपस्थिति
   .....सरकारी विद्यालयों में अध्यापकों की उपस्थिति कम रहती है........

3. आंगनबाड़ी केन्द्रो में पोषाहार व टीकाकरण की क्या स्थिति है

   ....टीकाकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहता है किन्तु जागरूकता व अशिक्षा के कारण टीकाकरण 25 प्रतिशत महिलाऐं ही अपनाती है व पोषाहार निश्चित महिलाओं व बच्चों के लिए ही आता है इसलिए सभी को नहीं मिल पाता........

4. अल्पसंख्यक महिलाओं में पिछड़ेपन के क्या–क्या कारण है ?

   ......शिक्षा का अभाव, बेरोजगारी, अंधविश्वास, परिवार नियोजन नहीं अपनाना....

5. अल्पसंख्यक महिलाओं में स्वास्थ्य स्थिति :–
   प्रसव की स्थिति : 30 प्रतिशत महिलाऐं अस्पतालों में डिलीवरी करवाती है
   परिवार नियोजन : 20 प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग ही परिवार नियोजन के साधन अपनाता है
   गांव में चिकित्सा सुविधा न के बराबर है जिसके कारण ये प्रसव अधिकतर घर पर ही करवाती है या गांव से दूर शहर में करवाना पड़ता है व ईलाज के लिए झाड़–फूंक का सहारा लेते है।

6. सस्ती दर की राशन की दूकानों पर राशन की उपलब्धता

   ....राशन की दूकानों पर बी.पी.एल. परिवारों के लिए ही राशन उपलब्ध है जो भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नही है सामान्य परिवारो के लिए ऐसी सुविधा न के बराबर है.............

7. स्वास्थ्य से सम्बन्धित इनको कौन–कौन सी समस्याऐं है ?

   ....डिलिवरी से सम्बन्धित, स्त्री रोग व अन्य मौसमी बिमारियों का समय पर ईलाज नहीं हो पाता ....

8. स्वास्थ्य से सम्बन्धित इनको कौन–कौन सी सुविधाऐं उपलब्ध है ?

   ..... गांव में चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है .....

9. आंगनबाड़ी से इनका जुड़ाव किस प्रकार का है ?

   .... आंगनबाड़ी केन्द्रो पर कुछ अल्पसंख्यक महिलाऐं टीकाकरण करवाती है इसके अलावा इनके कुछ बच्चे आंगनबाड़ी केन्द्रो पर भी जाते है......

10. बिजली की सुविधा कैसी है ?
    ....लगभग सभी अल्पसंख्यक परिवारों में बिजली की सुविधा उपलब्ध है.....

11. शुद्ध पीने योग्य पानी की क्या स्थिति है ?
    ....शुद्ध पीने योग्य पानी की यहां कमी है क्योंकि यहां पानी में फ्लोराइड की मात्रा काफी अधिक है तथा रेगिस्तान होने की वजह से भू–जल की यहां कमी है....

12. शौचालय व स्वच्छता की सुविधाऐं

    .....सार्वजनिक तौर पर शौचालय व स्वच्छता का अभाव है व निजी रूप से लगभग 60 प्रतिशत घरों में शौचालय इत्यादि की सुविधा है....

13. सरकारी सुविधाओं का इनको लाभ मिल पाता है या नहीं
    ....लगभग 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक परिवार ही सभी सरकारी सुविधाओ का लाभ ले रहे है......

14. सरकार की अल्पसंख्यक योजनाओं के बारे में इनको जानकारी है या नहीं व इनका लाभ इनको मिल रहा है या नहीं ?

....सरकार की अल्पसंख्यक योजनाओं का इनको केवल 10 प्रतिशत ही लाभ मिल रहा है , इनके बच्चो को मिलने वाली छात्रवृति के बारे में ही इनको जानकारी है अन्य अल्पसंख्यक योजनाओं के बारे में इनको कोई जानकारी नहीं है...

15. सरकार द्वारा संचालित अन्य आर्थिक लाभकारी योजनाओ जैसे छात्रवृति आदि का इनको लाभ मिल रहा है या नहीं ?

.... ये अल्पसंख्यक बच्चों को मिलने वाली छात्रवृति का लाभ ही ले रहे है अन्य आर्थिक लाभकारी योजनाओ के बारे इनको जानकारी नहीं है ।......

16. अन्य समस्याओं का विवरण ....

....सिरियासर गांव बस स्टेण्ड से लगभग 3 किमी. दूर है जिससे कई तरह की समस्याऐं होती है ...

17. रोजगार की क्या स्थिति है ? व इसमें उनकी क्या–क्या समस्याऐं है ?

....रोजगार की स्थिति काफी कमजोर है, अधिकांश परिवार कृषि व मजदूरी कर जीवनयापन करते है, महिलाऐं पर्दा प्रथा के कारण मजदूरी पर नहीं जाती है अन्य रोजगार के साधन उपलब्ध नहीं है.....

18. व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता

..व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता न के बराबर है ....

19. महिलाओ पर अपराध व उनकी सुरक्षा

...अधिकतर महिलाऐं अशिक्षित होने के कारण कानून के बारे में नहीं जानती है और ग्रामीण महिलाओ की सुरक्षा के लिए भी कोई विशेष प्रावधान नहीं है...

20. बैंकिंग सुविधा

......गांव में एक सहकारी बैंक परन्तु आम आदमी की जरूरत के मुताबिक यह पर्याप्त नहीं है........

(राजेश अग्रवाल)

अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास कार्यक्रम के तहत झुन्झुनू जिले के चयनित गांवों की सर्वे रिपोर्ट :–
द्वारा झुन्झुनू जिला पर्यावरण सुधार समिति

गांव पिथूसर की प्रोफाइल

1.	गांव का नाम	:	पिथूसर
2.	कुल परिवार	:	162
3.	मुस्लिम परिवार	:	144
4.	ग्राम सरपंच का नाम	:	श्री ताराचन्द ग्राम गोखरी , मो. :– 8107662518
5.	ग्राम सेवक का नाम	:	श्री मकसूद अली , मो. :– 9414743342
6.	गांव में दो विद्यालय	:	प्राईवेट एक दसवीं तक
		:	सरकारी एक आठवीं तक
7.	आगंनबाड़ी केन्द्र	:	1
8.	कार्यकर्ता का नाम	:	श्री इनामत , मो. :– 9610681668
9.	आशासहयोगीनी	:	श्रीमती सुमन देवी, मो. :– 9772507801
10.	सहायिका	:	श्रीमती सुमित्रा देवी , मो. :– 9602169695

गांव पिथूसर के अल्पसंख्यक समुदाय की प्रोफाइल

1. सरकारी स्कूलो में संचालित मिड–डे मील, पोषाहार की क्या स्थिति है इसमें अल्पसंख्यक समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव तो नहीं होता है ?
   .... गांव के सरकारी विद्यालयों में मीड–डे मील व पोषाहार की व्यवस्था अच्छी है व यहां अल्पसंख्यक समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता ....
2. सरकारी विद्यालयों में अध्यापको की उपस्थिति
   .....सरकारी विद्यालयों में अध्यापकों की उपस्थिति कम रहती है........
3. आंगनबाड़ी केन्द्रो में पोषाहार व टीकाकरण की क्या स्थिति है

   ....टीकाकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहता है किन्तु जागरूकता व अशिक्षा के कारण टीकाकरण 40 प्रतिशत महिलाऐं ही अपनाती है व पोषाहार निश्चित महिलाओं व बच्चों के लिए ही आता है इसलिए सभी को नहीं मिल पाता........
4. अल्पसंख्यक महिलाओं में पिछड़ेपन के क्या–क्या कारण है ?

   ...... शिक्षा का अभाव, बेरोजगारी, अंधविश्वास, परिवार नियोजन नहीं अपनाना ....
5. अल्पसंख्यक महिलाओं में स्वास्थ्य स्थिति :–

प्रसव की स्थिति	:	15 प्रतिशत महिलाऐं अस्पतालों में डिलीवरी करवाती है
परिवार नियोजन	:	30 प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग ही परिवार नियोजन के साधन अपनाता है

   गांव में कोई चिकित्सा सुविधा नहीं है जिसके कारण ये प्रसव अधिकतर घर पर ही करवाती है या गांव से दूर शहर में करवाना पड़ता है जिसके कारण इनको काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
6. सस्ती दर की राशन की दूकानों पर राशन की उपलब्धता

   ....राशन की दूकानों पर बी.पी.एल. परिवारों के लिए ही राशन उपलब्ध है जो भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नही है सामान्य परिवारो के लिए ऐसी सुविधा न के बराबर है.............

7. स्वास्थ्य से सम्बन्धित इनको कौन–कौन सी समस्याऐं है ?
.... डिलिवरी से सम्बन्धित, स्त्री रोग व अन्य मौसमी बिमारियों का समय पर ईलाज नहीं हो पाता ....

8. स्वास्थ्य से सम्बन्धित इनको कौन–कौन सी सुविधाऐं उपलब्ध है ?
..... गांव में चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है.....

9. आंगनबाड़ी से इनका जुड़ाव किस प्रकार का है ?
.... गांव में एक ही आंगनबाड़ी केन्द्र है और इससे अल्पसंख्यक महिलाओं का अच्छा जुड़ाव है ......

10. बिजली की सुविधा कैसी है ?
.... लगभग सभी अल्पसंख्यक परिवारों में बिजली की सुविधा उपलब्ध है परन्तु बिजली पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलती है .....

11. शुद्ध पीने योग्य पानी की क्या स्थिति है ?
....शुद्ध पीने योग्य पानी की यहां कमी है क्योंकि यहां पानी में फ्लोराइड की मात्रा काफी अधिक है तथा रेगिस्तान होने की वजह से भू–जल की यहां कमी है....

12. शौचालय व स्वच्छता की सुविधाऐं
.....सार्वजनिक तौर पर शौचालय व स्वच्छता का अभाव है व निजी रूप से लगभग 60 प्रतिशत घरों में शौचालय इत्यादि की सुविधा है....

13. सरकारी सुविधाओं का इनको लाभ मिल पाता है या नहीं
....गांव में सरकारी सुविधाऐं कम है जो है उनका भी जागरूक न होने की वजह से अल्पसंख्यक परिवार पूरा लाभ नहीं ले पाते......

14. सरकार की अल्पसंख्यक योजनाओं के बारे में इनको जानकारी है या नहीं व इनका लाभ इनको मिल रहा है या नहीं ?
....सरकार की अल्पसंख्यक योजनाओं का इनको केवल 15–20 प्रतिशत ही लाभ मिल रहा है , इनके बच्चो को मिलने वाली छात्रवृति के बारे में ही इनको जानकारी है अन्य अल्पसंख्यक योजनाओं के बारे में इनको कोई जानकारी नहीं है..

15. सरकार द्वारा संचालित अन्य आर्थिक लाभकारी योजनाओ जैसे छात्रवृति आदि का इनको लाभ मिल रहा है या नहीं ?
.... ये अल्पसंख्यक बच्चों को मिलने वाली छात्रवृति का लाभ ही ले रहे है अन्य आर्थिक लाभकारी योजनाओ के बारे इनको जानकारी नहीं है......

16. अन्य समस्याओं का विवरण ....
.... गांव में मुख्यतः चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है ...

17. रोजगार की क्या स्थिति है ? व इसमें उनकी क्या–क्या समस्याऐं है ?
.... रोजगार की स्थिति काफी कमजोर है, स्वरोजगार के प्रति इनकी रूचि कम है अधिकांशतः मजदूरी कर जीवनयापन करते है, महिलाऐं पर्दा प्रथा के कारण मजदूरी पर नहीं जाती है अन्य रोजगार के साधन उपलब्ध नहीं है.....

18. व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता
..व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता न के बराबर है ....

19. महिलाओ पर अपराध व उनकी सुरक्षा
...अधिकतर महिलाऐं अशिक्षित होने के कारण कानून के बारे में नहीं जानती है और ग्रामीण महिलाओ की सुरक्षा के लिए भी कोई विशेष प्रावधान नहीं है...

20. बैंकिंग सुविधा
..गांव में बैंकिंग सुविधा नहीं है...

(राजेश अग्रवाल)

अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास कार्यक्रम के तहत झुन्झुनू जिले के चयनित गांवों की सर्वे रिपोर्ट :–
द्वारा झुन्झुनू जिला पर्यावरण सुधार समिति

गांव जाबासर की प्रोफाइल

1.	**गांव का नाम**	:	**जाबासर**
2.	कुल परिवार	:	534
3.	मुस्लिम परिवार	:	468
4.	ग्राम सरपंच का नाम	:	श्रीमती शारदा देवी ग्रा. जवाहरपुरा, मो. :– 8003245041
5.	ग्राम सेवक का नाम	:	श्री गुलझारी लाल, मो. :– 9461978147
6.	ग्राम सहायक का नाम	:	श्री समसाद, मो. :–9461982771
7.	सरकारी विद्यालय	:	एक सीनियर तक
8.	गैर सरकारी विद्यालय	:	प्राईवेट पांचवीं तक प्राईवेट आठवीं तक प्राईवेट सीनियर तक
9.	महाविद्यालय	:	1
10.	मदरसा	:	1
11.	आगंनबाड़ी केन्द्र	:	2

1. कार्यकर्ता का नाम	:–	शबाना खान	2. कार्यकर्ता का नाम	:–	सुमित्रा देवी
आशासहयोगीनी	:–	ओमपति	आशासहयोगीनी	:–	कोशल्या देवी
सहायिका	:–	सुमित्रा देवी	सहायिका	:–	समीम बानो

12.	उप स्वास्थ्य केन्द्र	:	1
	ANM का नाम	:	श्रीमती शारदा देवी
13.	बैंक	:	राजस्थान ग्रामीण बैंक
14.	गांव के प्रमुख व्यक्ति का नाम	:	नायब सबेदार मोहम्मद हनिफ खां मो. :– 9413563027 , 01195 277202

गांव जाबासर के अल्पसंख्यक समुदाय की प्रोफाइल

1. सरकारी स्कूलो में संचालित मिड–डे मील, पोषाहार की क्या स्थिति है इसमें अल्पसंख्यक समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव तो नहीं होता है ?
   ....अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकांश बच्चे मदरसा में जाते है इसलिए वे मीड–डे मील, पोषाहार का लाभ नहीं ले पाते है गांव के सरकारी विद्यालयों में मीड–डे मील व पोषाहार की व्यवस्था अच्छी है व यहां अल्पसंख्यक समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता............
2. सरकारी विद्यालयों में अध्यापको की उपस्थिति
   .....सरकारी विद्यालयों में अध्यापकों की उपस्थिति कम रहती है........
3. आंगनबाड़ी केन्द्रो में पोषाहार व टीकाकरण की स्थिति
   ....टीकाकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहता है किन्तु जागरूकता व अशिक्षा के कारण टीकाकरण 60 प्रतिशत महिलाऐं ही अपनाती है व पोषाहार निश्चित महिलाओं व बच्चों के लिए ही आता है इसलिए सभी को नहीं मिल पाता........

4. अल्पसंख्यक महिलाओं में पिछड़ेपन के क्या–क्या कारण है ?

..... महिलाओं में शिक्षा का अभाव, बेरोजगारी, अंधविश्वास, परिवार नियोजन नहीं अपनाना ...

5. अल्पसंख्यक महिलाओं में स्वास्थ्य स्थिति :–
प्रसव की स्थिति : 50 प्रतिशत महिलाऐं ही अस्पतालों में डिलीवरी करवाती है
परिवार नियोजन : 45 प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग ही परिवार नियोजन के साधन अपनाता है
गांव में चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है इसलिए आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को घर पर ही प्रसव करवाने पड़ते है ।

6. सस्ती दर की राशन की दूकानों पर राशन की उपलब्धता

....राशन की दूकानों पर बी.पी.एल. परिवारों के लिए ही राशन उपलब्ध है जो भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नही है सामान्य परिवारो के लिए ऐसी सुविधा न के बराबर है.............

7. स्वास्थ्य से सम्बन्धित इनको कौन–कौन सी समस्याऐं है ?

.... डिलिवरी से सम्बन्धित समस्याऐं, स्त्री रोगों का समय पर ईलाज नहीं हो पाना ....

8. स्वास्थ्य से सम्बन्धित इनको कौन–कौन सी सुविधाऐं उपलब्ध है ?

.....चिकित्सा सुविधा के नाम पर गांव में एक ही उप स्वास्थ्य के केन्द्र है व उसमें एक ही ए.एन.एम. है......

9. आंगनबाड़ी से इनका जुड़ाव किस प्रकार का है ?

....गांव में दो आंगनबाड़ी केन्द्र है और इनसे अल्पसंख्यक महिलाओं लगभग अच्छा जुड़ाव है......

10. बिजली की सुविधा कैसी है ?
....लगभग सभी अल्पसंख्यक परिवारों में बिजली की सुविधा उपलब्ध है परन्तु बिजली पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलती है......

11. शुद्ध पीने योग्य पानी की क्या स्थिति है ?
....शुद्ध पीने योग्य पानी की यहां कमी है क्योंकि यहां पानी में फ्लोराइड की मात्रा काफी अधिक है तथा रेगिस्तान होने की वजह से भू–जल की यहां कमी है....

12. शौचालय व स्वच्छता की सुविधाऐं

.....सार्वजनिक तौर पर शौचालय व स्वच्छता का अभाव है व निजी रूप से 40 प्रतिशत घरों में शौचालय इत्यादि की सुविधा है....

13. सरकारी सुविधाओं का इनको लाभ मिल पाता है या नहीं
.... गांव में सरकारी सुविधाओं का अभाव है जो है उनका भी अल्पसंख्यक परिवार पूरा लाभ नहीं ले पाते ...

14. सरकार की अल्पसंख्यक योजनाओं के बारे में इनको जानकारी है या नहीं व इनका लाभ इनको मिल रहा है या नहीं ?
.... सरकार की अल्पसंख्यक योजनाओं का इनको केवल 30 प्रतिशत ही लाभ मिल रहा है , इनके बच्चो को मिलने वाली छात्रवृति के बारे में ही इनको जानकारी है अन्य अल्पसंख्यक योजनाओं के बारे में इनको कोई जानकारी नहीं है

15. सरकार द्वारा संचालित अन्य आर्थिक लाभकारी योजनाओ जैसे छात्रवृति आदि का इनको लाभ मिल रहा है या नहीं ?
....ये अल्पसंख्यक बच्चों को मिलने वाली छात्रवृति का लाभ ही ले रहे है अन्य आर्थिक लाभकारी योजनाओ के बारे इनको जानकारी नहीं है ......

16. अन्य समस्याओं का विवरण ....
.... गांव में मुख्यतः चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है ....

17. रोजगार की क्या स्थिति है ? व इसमें उनकी क्या–क्या समस्याऐं है ?
.... रोजगार की स्थिति काफी कमजोर है, स्वरोजगार के प्रति इनकी रूचि कम है अधिकांशतः मजदूरी कर जीवनयापन करते है, महिलाऐं पर्दा प्रथा के कारण मजदूरी पर नहीं जाती है अन्य रोजगार के साधन उपलब्ध नहीं है.....

18. व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता
..व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धता न के बराबर है ....
19. महिलाओ पर अपराध व उनकी सुरक्षा
...अधिकतर महिलाऐं अशिक्षित होने के कारण कानून के बारे में नहीं जानती है और ग्रामीण महिलाओ की सुरक्षा के लिए भी कोई विशेष प्रावधान नहीं है...
20. बैंकिंग सुविधा
..गांव में बैंक तो है परन्तु आम आदमी जरूरत के अनुसार बैंक उनकी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाता है, क्योंकि ऋण आदि सुविधाओं हेतु बैंक गारन्टी मांगता है जिसमें सब समर्थ नहीं है..

(राजेश अग्रवाल)